खबर संक्षेप

गुरुवार को आरोग्यम 2.0 के तहत 28 स्थानों पर लगेंगे जन स्वास्थ्य शिविर

मण्डला। आदिवासी बहुल मंडला जिले में आमजन को ग्राम पंचायत स्तर पर ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा "आरोग्यम 2.0" अभियान के अंतर्गत 26 फरवरी 2026 (गुरुवार) को जिले भर में 28 जन स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों का आयोजन प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक विभिन्न विकासखंडों की ग्राम पंचायतों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में किया जाएगा। विकासखंड मंडला, बिछिया, मोहगांव, मवई, घुघरी, नारायणगंज, निवास आदि क्षेत्रों की चयनित ग्राम पंचायतों में शिविर लगाए जाएंगे, जहां ग्रामीणों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। शिविरों में सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग, गर्भवती महिलाओं की जांच, 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, नियमित टीकाकरण, कुपोषित बच्चों की पहचान एवं जांच, किशोर बालक-बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण, टीबी, कुष्ठ एवं मलेरिया जांच, आयुष्मान कार्ड बनाए जायेंगे। आरोग्यम 2.0 के तहत 6 प्रकार की विशेष सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं का प्रबंधन, सिकल सेल मरीजों का उपचार, एसएनसीयू से डिस्चार्ज बच्चों का फॉलोअप, कुपोषित बच्चों की निगरानी, डायबिटीज एवं हाईपरटेंशन के मरीजों का उपचार तथा पूर्व शिविरों में चिन्हित मरीजों का फॉलोअप शामिल है। शिविरों में आवश्यकतानुसार विभिन्न पैथोलॉजिकल जांचें भी की जाएंगी, जिनमें हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, मलेरिया, टायफाइड, सिफिलिस, डेंगू, फाइलेरिया, हेपेटाइटिस बी एवं सी सहित कुल 14 प्रकार की जांचें सम्मिलित हैं।

प्रशासनिक आदेश के खिलाफ पटवारियों का प्रदर्शन

अन्याय पूर्ण रवैया बर्दाश्त न करने की धमकी

*** विभिन्न समस्याओं के निराकरण कराने सौंपा ज्ञापन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश में पदस्थ पटवारी अपनी सेवा का निर्वहन पूरी निष्ठा से लगातार कर रहे हैं, लेकिन उनके कार्य के दौरान आने वाली कुछ न्यायोचित समस्याएं है जिनका निराकरण शासन स्तर पर उचित समय सीमा में किया जाना अति आवश्यक है। बुधवार को मध्यप्रदेश पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष गीतू बैरागी ने अपने संगठन के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां उन्होंने ज्ञापन सौंपकर ये मांगे की और अपनी बात रखी। उन्होंने 12 बिंदुओं पर ध्यानाकर्षण कराते हुए कहा कि जियो टैग गिरदावरी शासन द्वारा लगभग 03 वर्षों से सर्वेर द्वारा गिरदावरी करवाई जा रही है, लेकिन सर्वेयर को मानदेय भुगतान न होने के कारण वे कार्य नहीं कर रहे है जिसका कारण से गिरदावरी अंततः पटवारी को करनी पड़ रही है। जहां पर सर्वेयर द्वारा अधिकतम 1000 खसरे की गिरदावरी का प्रावधान है परंतु उनके द्वारा कार्य न किये जाने के कारण पटवारी को अपने सारे हल्कों के सारे गांवों में स्वयं गिरदावरी करनी पड़ रही है जहां खसरों की संख्या लगभग 05 से 10 हजार हैं और ऐसी स्थिति में खसरा आधारित जिओटैग गिरदावरी किया जाना संभव नहीं है। अतः आपसे निवेदन है कि पटवारी की आईडी से खसरे आधारित जिओटैग हटाई जाकर ग्राम स्तर पर गिरदवारी करवाये जाने का प्रावधान किया जाए।

पटवारियों को न किया जाये प्रताड़ित

पटवारी संघ ने कहा कि फार्मर आईडी पटवारी के साथ-साथ सीएससी सेंटर, एमपी ऑनलाईन से बनवाई जा रही है जिनका उन्हें भुगतान भी किया जा रहा हैं पर शासन द्वारा पटवारी कोई संबंध में दबाव दिया जा रहा है जो अनुचित है, साथ ही इसमें अनेक विसंगतियां है जैसे कई खातेदार व सहखातेदारों का अन्यत्र निवास करना, पोर्टल पर उपलब्ध डाटा त्रुटि पूर्ण होना, आईडी बन जाने के बाद भी पेंडिंग सूची में खसरे पेंडिंग दिखाई देना, कई खसरे आइडी बनाने हेतु पोर्टल पर उपलब्ध होना, किसान के आधार से उसका मोबाइल नंबर लिंक न होना और किसान द्वारा ओटीपी नल देना आदि। इन सारी समस्याओं का निराकरण जल्द से जल्द किया जाए और इस कार्य के लिए अनावश्यक दबाव बनाकर एवं कार्यवाही करके पटवारी साथियों को प्रताड़ित न किया जाए।

मुख्यमंत्री की घोषणा पर नहीं हुआ अमल

मध्यप्रदेश पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष गीतेन्द्र गीतू बैरागी ने कहा कि नवोदित पटवारियों को 100 प्रतिशत सैलरी नवनियुक्ति पटवारी साथियों को नियुक्ति पत्र वितरण के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा यह घोषणा की गई थी कि नवनियुक्त पटवारियों को नियुक्ति दिनांक से ही 100 प्रतिशत सैलरी दी जायेगी, लेकिन शासन द्वारा यह आदेश आज दिनांक तक लंबित है, लेकिन वर्तमान में हाई कोर्ट जबलपुर से मप्र के शासकीय कार्मचारियों के हित में यह आदेश पारित किया गया है कि जो पटवारी साथी 70, 80, 90, प्रतिशत सैलरी के दायरे में आ रहे हैं, उन्हें 100 प्रतिशत सैलरी दी जाए और शेष राशि का एरियर जल्द दिया जाये। अतः इस आदेश के परिपालन में मप्र में पदस्थ सभी नवोदित पटवारी साथियों की सैलरी 100 प्रतिशत की जाकर शेष लंबित राशि जल्द से जल्द एरियर के रूप में प्रदान की जायें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा पर अभी तक अमल नहीं किया गया है।

भत्ते के मद में पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जाये

वेतन वितरण विसंगति से संबंधित समस्याएं- भत्ते आदि के हेड में पर्याप्त राशि न होने के कारण कई जिलों में भत्ते काटकर सैलरी दी जा रही है। अतः भत्ते के मद में पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जाये ताकि इस प्रकार की विसंगति न हो। महिला साथियों को मैटरनिटी लीव उक्त के दौरान पूर्व की तरह 01 वर्ष के बाद 80 प्रतिशत मिलने को सौ परसेंट किया जाऐ। पीएम किसान, सीएम किसान- उक्त योनाओं में पटवारी स्तर से वर्तमान में कोई भी कार्य नहीं किया जाता है और न ही उक्त का स्टेटस पटवारी देख सकता है। ऐसी स्थिति में सीएम हेल्पलाइन से एवं मासिक व अन्य समस्याओं से पृथक किया जाये तो पटवारियों पर होने वाला मानसिक दबावक मे हो सके। शेष मानदेयों का भुगतान आज डिजिटल युग में जब सभी पटवारियों का समस्त वेतन संबंधित रिकॉर्ड ऑनलाईन उपलब्ध है तो स्वामित्व योजना, कृषि संगणना, लघु सिंचाई संगणना, फार्मर आईडी के कैम्पों कालम्बित मानदेय जल्द दिया जाए और ऑनलाईन समस्त कार्यों के लिये मोबाइल फोन की राशि जल्द दी जाए।

अनूपपुर में पटवारियों पर हुई कार्यवाही का किया विरोध

वेतन वृद्धि / वेतन कटौती / निलंबन वर्तमान में कार्य की अधिकता, आकस्मिक व अवकाश के दिनों में भी मीटिंग के चक्कर में मानसिक दबाव के चलते मानवीय त्रुटि हो जाती हैं। उस पर उदारपूर्ण स्वैया बरतते हुए की गई कार्यवाहियों को तत्काल अपास्तकर विभागीय कार्यों को सुचारू रूप से जारी रखे जाने के निर्देश दिए जाने चाहिए। सन्दर्भित पत्रों के संबंध में लेख है कि जिला अनूपपुर के समस्त पटवारी अपने समस्त शासकीय कार्यों का निर्वहन सम्पूर्ण निष्ठा से करते आ रहे हैं, लेकिन इसके पश्चात भी जिला प्रशासन की हठधर्मिता व अनैतिक कार्यवाहियों के कारण समस्त पटवारियों को आर्थिक, शारीरिक व मानसिक क्षतियों जैसी गम्भीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है।

डिप्टी कलेक्टर सचिन जैन को एसडीएम घुघरी तथा श्री संस्कार बावरिया को सीईओ जनपद पंचायत नारायणगंज का दायित्व

*** अधिकारियों के कार्य विभाजन में आंशिक संशोधन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सोमेश मिश्रा द्वारा प्रशासनिक कार्यों को सुचारू रूप से संपादित कराने के उद्देश्य से पूर्व में जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए अधिकारियों के कार्य विभाजन संबंधी संशोधित आदेश जारी किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

जारी आदेश के अनुसार संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र कुमार घोरमारे को कार्यपालिक दण्डाधिकारी की शक्तियों के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण शाखाओं का प्रभार सौंपा गया है। इनमें पत्र एवं लेखन सामग्री शाखा, अभिलेख, जनसुनवाई, आवक शाखा, कार्यालय अधीक्षक, जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति, जनशिकायत एवं सतर्कता शाखा, मुख्यमंत्री मॉनिटरिंग, मानव अधिकार आयोग से संबंधित कार्य, राजस्व लेखा, रीडर शाखा (कलेक्टर न्यायालय) सहित अन्य प्रशासनिक दायित्व शामिल हैं।

डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) घुघरी सचिन जैन को अपने क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के रूप में कार्य करने, निर्वाचन संबंधी कार्यों के निष्पादन, भू-अर्जन अधिकारी, राजमार्ग अधिनियम, लोक न्यायालय अधिनियम, वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम सहित अन्य वैधानिक दायित्व सौंपे गए हैं। साथ ही उपखंड स्तर पर विभागीय समन्वय एवं पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी भी दी गई है।

डिप्टी कलेक्टर संस्कार बावरिया को कार्यपालिक दण्डाधिकारी की शक्तियों के साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत नारायणगंज का दायित्व सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त लिंक ऑफिसर (समन्वय अधिकारी) भी निर्धारित किए गए हैं, ताकि किसी अधिकारी के अवकाश या प्रवास की स्थिति में कार्य प्रभावित न हो और आवश्यक प्रकरण समय पर निस्तारित किए जा सकें।

नैनपुर ब्रिज के लिए कलेक्टर के सख्त निर्देश, दो दिन में कराए मरम्मत कार्य पूर्ण

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के संज्ञान में नैनपुर ब्रिज की स्थिति आने पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की महाप्रबंधक उषा चौधरी को निर्देश देते हुए कहा कि 2 दिवस में आवश्यक मरम्मत कार्य पूर्ण कराएं। निर्देशों के परिपालन में श्रीमती चौधरी द्वारा नैनपुर ब्रिज का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों को स्पष्ट और कड़े निर्देश दिए कि ब्रिज का मरम्मत एवं मेंटेनेंस कार्य आगामी दो दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण एवं रखरखाव कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही कार्य पूर्ण होने के पश्चात पुनः निरीक्षण कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्रवासियों को शीघ्र ही सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है।

पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की जांच

*** पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में जिला जेल मंडला का औचक निरीक्षण।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

दिनांक 25/02/2026 को पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के नेतृत्व में मंडला पुलिस द्वारा जिला जेल मंडला का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जेल अलार्म अथवा किसी आपातकालीन स्थिति में मंडला पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही की तैयारियों एवं समन्वय व्यवस्था का परीक्षण करना था।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित कराया गया कि अलार्म की स्थिति में पुलिस बल की त्वरित प्रतिक्रिया, अधिकारियों की जिम्मेदारी एवं कार्यवाही का क्रम पूर्व निर्धारित एवं प्रभावी रहे।

जेल परिसर में सघन तलाशी एवं सुरक्षा जांच

औचक निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में एवं जिला जेल अधीक्षक संजय सहलाम की उपस्थिति में मंडला पुलिस द्वारा जिला जेल के संपूर्ण परिसर का गहन निरीक्षण किया गया। पुलिस अधिकारियों द्वारा कैदियों की फ्रीस्किंग (तलाशी) की गई तथा मादक पदार्थ, नशीले सामान अथवा किसी प्रकार के नुकसान पहुंचाने वाले उपकरणों की जांच हेतु विशेष सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान कैदियों के रहने के स्थानों की जांच की गई, उनके सामान की सघन तलाशी ली गई, बैरकों की सुरक्षा व्यवस्था का परीक्षण किया गया।

कार्यस्थल एवं सुविधाओं का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान कैदियों के कार्यस्थल, दैनिक गतिविधियों की व्यवस्था एवं उपलब्ध सुविधाओं का भी अवलोकन किया गया। साथ ही जेल परिसर में संचालित कंप्यूटर रूम सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया।

इस औचक निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला शिव कुमार वर्मा, जिला जेल अधीक्षक संजय सहलाम, रक्षित निरीक्षक सुनील नागवंशी सहित मंडला पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्र सेविका समिति के द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर आयोजित

मण्डला। राष्ट्र सेविका समिति जिला मंडला द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर महाराजपुर संगम में लगाया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्र सेविका समिति की द्वितीय प्रमुख संचालिका वंदनीय सरस्वती ताई आप्टे के जन्मदिवस की उपलक्ष में सेवा सप्ताह के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शिखा राय, सामाजिक कार्यकर्ता रही। कार्यक्रम में मुख्यतः डॉ हर्ष कर्महे, डॉ हेमेंद्र चौहान, डॉ पारुल साहू, डॉ देवेंद्र शर्मा, डॉ समीर साहू, अनुराधा यादव तथा उपासना सिंगौर की उपस्थिति रही। भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।आरोग्यम शिविर में सेवा बस्ती में दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक कुल 56 बहनों ने अपना प्राथमिक उपचार करवाया और उन्हें चिकित्सकों द्वारा उपयोगी दवाईयां उपलब्ध कराई गई।इस शिविर में चिकित्सकों द्वारा वजन मशीन, ब्लड प्रेशर मशीन, शुगर टेस्ट, एचआईवी टेस्ट, एचबी टेस्ट,लंबाई,हड्डियों की जांच, आदि प्राथमिक उपचार कराया गया। विशेष रूप से स्वयं साईं सिद्ध पैरामेडिकल की छात्रा बहनों द्वारा शिविर में चिकित्सकों का पूर्ण समय सहयोग प्राप्त हुआ।

इनर व्हील क्लब ऑफ मंडला द्वारा महिला दिवस एवं होली उत्सव का गरिमामय आयोजन

*** महिलाओं के सम्मान के साथ सशक्तिकरण का संदेश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

सामाजिक सरोकारों और महिला सशक्तिकरण की दिशा में सक्रिय इनर व्हील क्लब ऑफ मंडला द्वारा महिला दिवस एवं होली उत्सव हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब अध्यक्षा श्रीमती श्रद्धा तपा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रारंभ में अतिथियों एवं सदस्याओं का स्वागत करते हुए क्लब पदाधिकारियों ने महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता तथा आपसी सहयोग की भावना को समाज में मजबूत करने का संदेश दिया। इस अवसर पर क्लब की ओर से श्रद्धा तपा, रूबी तपा, सुनीता पमनानी एवं प्रिया पमनानी ने उपस्थित सभी सदस्य महिलाओं का सम्मान किया। प्रत्येक सदस्य को स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) तथा विशेष उपाधि प्रदान कर उनके सामाजिक, पारिवारिक एवं रचनात्मक योगदान की सराहना की गई। आईएसओ प्रिया पमनानी द्वारा आकर्षक एवं प्रेरणादायी टाइटल प्रदान किए गए, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और आत्मीयता का विशेष वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सामाजिक सेवा गतिविधि रही, जिसके अंतर्गत एक जरूरतमंद महिला को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीन भेंट की गई। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं बल्कि समाज में वास्तविक परिवर्तन लाना है, ताकि महिलाएं अपने कौशल के माध्यम से स्वावलंबी बन सकें और सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें।इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां हुईं। क्लब सदस्याओं ने गीत, नृत्य एवं काव्य-पाठ प्रस्तुत कर उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंगारंग प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में आनंद और उत्साह का वातावरण बना दिया। कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन में रूबी तपा का विशेष योगदान रहा, जिनके प्रयासों से पूरा आयोजन प्रभावी ढंग से संपन्न हुआ। अंत में स्वल्पाहार के साथ होली उत्सव गुलाल एवं पुष्पों के माध्यम से सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। सभी सदस्याओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम ने महिलाओं के सम्मान, आत्मविश्वास, सामाजिक भागीदारी और पारस्परिक सहयोग की भावना को सुदृढ़ करने का प्रेरक संदेश दिया।

इस अवसर पर क्लब की ऑफिसर्स टीम में अध्यक्षा श्रद्धा तपा, सचिव सुनीता पमनानी, कोषाध्यक्ष रूबी तपा, आईएसओ प्रिया पमनानी, एडिटर आरती बृजपुरिया सहित किरण पमनानी, कमला बानी, अंजू उइके, मोना जैन, आरती तिवारी, रीता चौरसिया, अनीता चंद्रावल, अनीता राय, अनीता गोयल, दीपा खंडेलवाल, सपना भाटिया, अनीता अग्रवाल, निहारिका उइके, जया सराफ, रिया तपा एवं संजुलता सिंगौर सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी सदस्याओं ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए आगे भी इसी प्रकार सामाजिक गतिविधियां जारी रखने का संकल्प लिया।

अव्यवस्था | **बाजार को कहीं ओर किया जाये स्थानांतरित।**

हाइवे में लगाया जा रहा सब्जी बाजार

*** दुर्घटनाओं की बनी रहती हे आशंका।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

भुआबिछिया के मुख्य मार्ग पर सड़क के दोनों ओर सब्जी विक्रेताओं द्वारा किए गए अतिक्रमण और उसके कारण होने वाली दुर्घटनाओं का मुद्दा वाकई गंभीर है। स्थानीय नागरिक लंबे समय से प्रशासन के सामने यह चिंता जता रहे हैं कि यह ₹सब्जी मंडी₹ मुख्य मार्ग पर न होकर किसी व्यवस्थित स्थान पर होनी चाहिए। यहाँ इस समस्या को लेकर अनेको बार प्रयास किया गया मगर व्यस्था जस की टस बनी हुई है

मुख्य मार्ग पर 'सब्जी बाजार' बना हादसों का सबब

नगर का मुख्य मार्ग (NH-30 और बाजार क्षेत्र) पर सब्जी विक्रेताओं द्वारा सड़क के काफी हिस्से को घेर लेने से आए दिन यातायात बाधित हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इसे अब व्यवस्थित बाज़ार के बजाय अव्यवस्थाएं बनी हुई है जिससे आवागमन पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

मुख्य समस्याएँ और खतरे

संकरी होती सड़कः सब्जी विक्रेताओं के सड़क पर बैठने और खरीदारों द्वारा वहीं वाहन पार्क करने से मुख्य मार्ग छोटा हो गया है। बढ़ते हादसेः हाल के महीनों में बिछिया थाना क्षेत्र और नेशनल हाईवे-30 पर कई सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। भारी वाहनों (ट्रकों और डंपरों) के गुजरते समय सड़क किनारे भीड़ होने से जान-माल का खतरा बना रहता है। प्रशासनिक अनदेखीः कई बार प्रशासन द्वारा चेतावनी देने के बाद भी व्यस्था में कोई सुधार नहीं हुआ और हटाये जाने के बावजूद, कुछ दिनों बाद स्थिति फिर जस की तस हो जाती है।

यहां अक्सर होती है दुर्घटनाएं

बिछिया और आसपास के क्षेत्रों में पिछले कुछ समय में गंभीर हादसे हुए हैं: बिछिया शहर के अंदर तेज रफ्तार ट्रकों की चपेट में आने से कई बाइक सवार अपनी जान गंवा चुके हैं। शहर के भीतरः पैदल चलने वालों और दोपहिया वाहनों के लिए बाजार से सुरक्षित निकलना चुनौतीपूर्ण हो गया है। हिट एंड रनः बिछिया में पूर्व में ऐसी घटनाएं भी हुई हैं जहाँ अनियंत्रित ट्रकों ने सड़क किनारे खड़े वाहनों और लोगों को टक्कर मारी है। स्थानीय निवासियों और जागरूक नागरिकों की मांग है कि सब्जी विक्रेताओं को निर्धारित मंडी परिसर में शिफ्ट किया जाए। मुख्य मार्ग पर 'नो पार्किंग' और 'नो वेंडिंग ज़ोन' सख्ती से लागू हो। नगर परिषद और पुलिस विभाग संयुक्त रूप से नियमित कार्रवाई करें ताकि दोबारा अतिक्रमण न हो।

खबर संक्षेप

सात साल के गुलामे गौस ने रखा रोजा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। चल रमजान के पवित्र महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग रोजा रखकर अल्लाह की इबादत कर रहे है। मस्जिदों में रोजा इफ्तार के समय का नजारा काफी खुशनुमा नजर आ रहा है। रमजान में बुजुर्ग युवा रोजा रखकर नमाज पढ़कर इबादत में मशगूल है वही बच्चों में भी एक अलग उत्साह देखने को मिल रहा है। नगर के चावड़ी वार्ड निवासी सप्पू खान के बेटे गुलामे गौस ने शिद्दत के साथ सात साल की उम्र में रोजा रखा। पहला रोजा रखने पर गुलामे गौस का उनके परिवार व समाज के लोगो ने हौसला आफजाई कर इस्तकबाल किया।

नल जल योजना के नाम पर खोदी जा रही सड़कों के चलते शहीद नगरी चीचली की बिगड़ी सूरत

हरिभूमि न्यूज/चीचली। नगर में नर्मदा जल कब आ पायेगा और आ पाता है कि नही इस बात की भी कोई गारंटी नही है? मगर इस समय नर्मदा जल लाने के लिये जिस तरह से लाखों रूपया की लागत से बनी हुई सड़को की खुदाई की जा रही है उसके चलते जरूर शहीद नगरी चीचली की सूरत बदहाल होने से नही चूक पा रही है? बताया जाता है कि जल सप्लाई करने के लिये निर्माण करने आई हुई कंपनी द्वारा जिस तरह से मजबूत सड़को के बीचों बीच से खुदाई करते हुये उन्हें तहस नहस कर दिया गया है उसके चलते लोगों के वाहन निकलने की बात तो दूर पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। वही दूसरी ओर अनेक जगहो पर खुदाई के बाद मिट्टी से पुर दिया गया है उसमें आये दिन वाहनों को फसते हुये देखा जा रहा है ओर वह खुलेआम बड़ी घटना के लिये आमंत्रण देने से नही चूक रहा है..? इस तरह शहर के सड़को को खुदाई करते हुये उन्हें बदहाल बनाये जाने के कारण जहां नगर के व्यापारियों का धंधा प्रभावित होने से नही चूक पा रहा है तो दूसरी ओर लोगों को अपने घरों तक वाहन ले जाना भी मुश्किल हो रहा है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से सड़को की खुदाई किये जाने के चलते नगर पालिका प्रशासन को भी लाखों की क्षति का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। मगर जब भी इस तरह इस योजना को लेकर चर्चा की जाती है तो सिर्फ जिम्मेदारों के मुंह से एक ही बात सुनने मिलती है कि इस योजना का आदेश तो ऊपर से ही आया है इसमें हम क्या कर सकते है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो योजना के नाम पर किये जाने वाले कार्य को पूर्ण करने के लिये आये हुये एजेन्सी द्वारा न तो योजना से संबंधित कोई वोर्ड स्थापित किया जाता रहा है और न ही निर्माण के संबंध में किस गुणवत्ता के साथ काम करने के नियम है इस सच्चाई से अवगत कराया जा रहा है? जिसके चलते जहां निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी पूर्णरूप से मनमाना पूर्ण रवैया अपनाते हुये लाखों की लागत से बनी हुई सड़को को छल्लनी करने में कोई कसर नही छोड़ रही है।

शासन प्रशासन की उदासीनता के चलते गांवों में जल स्त्रोतों का अतिक्रमण की भेंट चढ़ने से मिट रहा नामो निशान, सरकार की योजनायें दिखाई दे रही हैं फेल...?

गाडरवारा। इसे मॉ नर्मदा की कृपा का फल ही माना जाए कि शहर एवं क्षेत्र के गॉवों में वर्ष भर लोगों को भरपूर पानी नसीब होता रहता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो गॉवों में भी नल जल योजना के तहत बनीं पानी की टंकियों के निर्माण होने से ग्रामो के निवासियों को कम ही पानी के लिए हायतौबा मचाने विवश होना पड़ता है..? लेकिन जिस तरह विवाह के बाद दूल्हे की मौर नदी में विसर्जित कर उसे भुला दिया जाता है। उसी तरह इस समय देखा जा रहा है कि लगता है शासन-प्रशासन के साथ क्षेत्रवासियों ने उन प्राचीन कुओं, तालाब व बावाड़ियो की सुध बिसराना शुरू कर दिया गया है। इसी का परिणाम है कि वर्षो पूर्व प्यासे हजारो कंठ तृप्त होते रहे है वह जन स्रोत आज बदहाली का शिकार होते हुये देखे जा रहे है। ज्ञातव्य है कि नगर ही नही क्षेत्र के कई गांवों में परम्परागत जल स्त्रोतो की उपेक्षा होने से उनका नामो निशान लगातार मिटता चला जा रहा है..? हकीकत यह है कि जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवरी मिढ़वानी का लगभग ढाई एकड़ भूमि का मालिक माने जाने वाले विशाल तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ने के कारण एक तलैया के रूप में दिखाई देने लगा है। वही दूसरी कुछ इसी प्रकार का हाल गांव के वर्षो पुराने कुंआ का देखने मिल रहा है जिस पर लोगों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण करते हुये उसके ऊपर लकड़ी रेखते हुये गंदगी फैलाई जा रही है या फिर मवेशियों को बांधते हुये उसकी सुन्दरता को ग्रहण लगाने से भी नही चूक पा रहे है जिसके चलते इस प्रकार से वर्षो पुराने पूज्यनीय माने जाने वाले यह परम्परागत स्रोत अपने असत्तिव को बचाने के लिये खुदे ही जूझते हुये देखे जा रहे है? उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के अनुभवी बुजुर्ग अभी भी चाहते है कि कुंआ व तालाब सलामत रहे। मगर विडम्बना की बात है कि प्रशासन के साथ साथ स्वयं सेवी संस्थाएँ पारंपारिक जल स्त्रोतों की सुरक्षा के मामले में उदासीन बनी हुई है? इस संबंध में हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए क्षेत्र के युवाओं का कहना है कि पर्याप्त पानी मिलने के दौरे में यह बात चिंता जनक है कि पारंपारिक जल स्त्रोतो की तरफ ध्यान न दिया जा रहा है। वही दूसरी देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा हर साल करोड़ो रूपया खर्च करते हुये गांव गांव सरोबर से लेकर तालाब व डेमों का निर्माण कराते हुये रूपया खर्च किये जा रहे है। मगर जिस तरह पुराने जल स्रोत है उनकी अनदेखी सरकार की योजनाओं पर सबाल खड़े करने से नही चूक रही है। क्योंकि सरकार द्वारा बनाये जाने वाले तालाबों की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी नही होगी कि सरकार द्वारा लाखों रूपया खर्च करते हुये गांव गांव बनाये जा रहे इन तालाबों में एक बूंद पानी नजर आ जावे तो बडी बात होने से नही चूक पायेगी..? क्योकि इस तरह नये तालाबों के निर्माण को लेकर सरकार द्वारा जहां करोडो रूपया खर्च किये जा रहे है और दूसरी ओर पुराने जल स्रोतों की अनदेखी निश्चित तौर से सरकार के प्रयास मात्र सरकारी धन की होली खेलने के आलवा ओर कुछ साबित होने से नही चूक रहे है। यदि वर्तमान में देखा जावे तो जरूरत इस बात की है कि इन परम्परागत जल स्त्रोतो को चिन्हित कर इनकी दशा में बदलाव लाने की पहल करना अति जरूरी हो गया है। क्योंकि इस प्रकार से पारंपारिक जल स्रोत के अनदेखी करना पूर्णरूप से अनुचित है..? मगर जिस प्रकार से शासन प्रशासन से लेकर क्षेत्र के लोगों द्वारा इन पुराने जल स्रोत की अनदेखी कर रहे है, वही लोगों द्वारा अन्य जल स्रोतों को प्रदूषित करने से भी नही चूक रहे है। इस बात की सच्चाई इस समय ग्राम के कुआ में देखने मिल रही है इस वर्षो पुराने के में आज भी पानी है मगर उसकी ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने के कारण वह पानी गंदा हो चुका है। यदि इस कुंआ में सुधार किया जावे तो यह क्षेत्र की धरोहर माने जाने वाले परम्परागत जल स्रोतों की फिर से सूरत बदली जा सकती है और वह आमजन के लिये उपयोगी साबित हो सकते है? यदि शासन के रिकार्ड का अवलोकन किया जावे तो क्षेत्र का शायद ही ऐसा कोई गांव शेष होगा जहां पर राजस्व रिकार्ड में तालाब या कुंआ दर्ज दिखाई न दे रहा हो..? मगर बडे ही हैरत की बात है कि सरकारी रिकार्ड के अनुसार राजस्व भूमि पर बने हुये यह कुंआ व तालाब मौके पर नजर ही नही आ रहे है जहां तालाबों में प्रभावशालियों की फसले लह लहा रही है तो कुंओं के ऊपर निर्माण कार्य हो चुके है जिन पर बहुमंजिला आवास तने हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है। इसी प्रकार का हाल नगर में भी आसानी से देखने मिल सकता है। बताया जाता है कि नगर के नाजूल की भूमि पूर बने हुये कुंआ का हाल तो यह बना चुका है कि उन पर कुछ प्रभावशालियों द्वारा अतिक्रमण करते हुये अपने आसियाने तानते हुये उनका नामों निशान ही मिटा डाला है..? सरकार द्वारा जिस तरह जल स्रोतो की चिंता करते हुये गांव गांव अमृत सरोबर का निर्माण कराये जाने की जो औपचारिता निभाई जा रहे है वह चर्चा का विषय बनने के साथ साथ पंचायतों के लिये दुधारू गाय के रूप में साबित होने से नही चूक रही है..? यदि सच्चाई पर नजर डाली जावे तो बीते हुये वर्षो में जिन ग्राम पंचायतों में अमृत सरोबर के नाम पर लाखों रूपया खर्च करते हुये जिन तालाबों का निर्माण हुआ है उनकी सच्चाई इस तरह देखने मिल रही है कि यदि आज के समय में उनमें एक बूंद पानी नजर आ जावे तो बड़ी बात होगी..?

क्या कभी इन नहर में जल बहते हुये देखने का सौभाग्य मिल पायेगा...?

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र का किसान नही मिल पाने के कारण अपनी फसलों को लेकर परेशान देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर स्थिति इस प्रकार से है कि वह आगामी फसलों की तैयारियों को लेकर पानी की व्यवस्था तक पूरी करने में असमर्थ महसूस करने से नही चूक रहे है, मगर वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो क्षेत्र में जहां शासन द्वारा करोड़ो रूपया खर्च करते हुए क्षेत्र के किसानों के खेतों में से नहरों का निर्माण तो कर दिया गया है, मगर उन नहरों में जरूरत के समय पानी नही आने के कारण उनके औचित्य पर भी सबाल खड़े होने लगे है, गौर किया जावे तो जब क्षेत्र में नहरों के निर्माण कार्य की शुरूआत हुई थी उस समय क्षेत्र के किसानों के चेहरों में इस सोच के साथ खुशी झलक रही थी कि क्षेत्र में नहरों का निर्माण होने के कारण उनकी जिन्दगी संभल जावेगी? जब नहरों से पानी आवेगा तो वह अपने खेतों में भर पूर फसल लेते हुए खुशहाली से झूम उठेगे, मगर इस समय वह खुशी उनके लिए मात्र एक सपना ही साबित हुए जान पड़ रही है..? क्योंकि क्षेत्र में बनी हुई नहरे मात्र उन्हें चिडाते हुए जान पड़ रही है। क्योंकि क्षेत्र में करोड़ो की लागत से बनी हुई नजरों में पानी नही छोड़े जाने के कारण लोगों कह रहे है कि आखिर में जब नहरें बन ही चुकी है तो फिर इसका लाभ क्षेत्र के किसानों को मिल क्यों नही रहा है क्या यह नहरें सिर्फ दिखाने के लिए ही बनाई गई थी? जो आज मुश्बित के समय किसानों को उपयोगी साबित नही हो रही है तो फिर इनके निर्माण का मतलब ही क्या रह गया है, वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो नहरों के निर्माण के बाद संबंधित विभाग द्वारा न तो इनकी सफाई की ओर किसी प्रकार से ध्यान दिया गया है और न ही उन्हें चालू किये जाने की ओर कोई पहल की जा रही है, जिसके चलते उनकी उपयोगिता पर प्रश्न चिन्ह लगता हुआ देखा जा रहा है? क्षेत्र के किसानों का कहना है कि यदि समय रहते हुए इन नहरों में पानी नही छोड़ा गया तो इसके खिलाफ क्षेत्र के लोगों द्वारा आंदोलन जैसे कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा जिसके जिम्मेदार नहर विभाग के अधिकारी व नेतागण होगे?

बादलों के अजीब खेल से किसान चिंतित,चना सहित अन्य फसलों में इल्ली रोग लगने की आशंका

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। क्षेत्र के किसान लगातार परेशानियों से जूझते हुये दिखाई पड़ रहे है। क्योंकि बीते हुए कुछ वर्षो से जिस प्रकार प्रकृति का खेल चल रहा है उसके चलते इस बदलते दौर में अब किसी को भी मौसम पर विश्वास नही रह गया है। क्योंकि इस वर्ष ठीक तरह से ठंड न पड़नें साथ साथ आसामन में बादलो के अजीब खेल से क्षेत्रीय किसान भी अपनी रबी सीजन की फसलो की सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आने लगे है। ज्ञातव्य है कि फिलहाल आसमान में आये दिन मॅडराने वाले बादल ठंड पर ब्रेक लगा रहे है और दोपहर में लोगो को उमस और रात में थोडी ठंड का अहसास हो रहा है। ऐसे में गांव के किसान मौसम को प्रतिकूल मान रहे है तथा फसलो की बढ़त के लिए तेज ठंड पड़ना आवश्यक बता रहे है। हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए क्षेत्र के किसानों ने कहा कि इस वर्ष जहां बारिश ने किसानों को धोखा देने के बाद जब ठंड ने दस्तक दी थी, तो उसके अंदाज से लगा रहा था कि ठंड की गति संतोष जनक ढंग से रहेगी। किन्तु स्थिति यह देखने मिली की बीते हुये फरवरी माह में अचानक ठंड पर ब्रेक लगने के चलते खेतों में ऊंग रही फसलों की गति पर अंकुश लग गये था। इस तरह बादलो का आसमान में डेरा नही हटने के कारण, फसलों को लाभ पहुॅचाने वाली ठंड न पड़ने से क्षेत्र के किसानों के माथों पर चिंता की लाकीरे उभरने लगी है। जिससे किसानों का कहना है कि यदि कुछ दिनों तक और ठंड का सिलसिला इसी तरह रूका रहा तो रबी सीजन की फसलों की बढ़त पर विपरीत असर पड़ सकता है। क्योंकि इस मौके पर किसानों के खेतों में तैयार हो रही फसलों को की ठंड की आवश्यकता है। मगर चल रहे विदाई ले रही फरवरी माह के अंतिम दिनों में दिन के समय सूर्यदेव जिस तरह प्रचण्ड होते हुये दिखाई दे रहे है उससे अनुमान है कि अब ठंड शायद वापसी करेगी। यदि ठंड की वापसी नही हुई तो निश्चित तौर से गेंहू सहित चना की फसलों पर भी विपरित असर पड़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? लेकिन इस वर्ष ठंड की शुरूआत तो हुई है मगर आसमान में बादलों के चलते बीते हुये जनवरी व फरवरी माह में अच्छी ठंड नही पड़ पाई थी जिसके चलते फसलों की प्रगति पर अंकुश लगा रहा और अब दिन के समय तेज तपन के चलते फसलों की स्थिति खराब होते हुये देखाई दे रही है। क्योंकि खेतों में खड़ी गेंहू चना फसल फल चुकी है। मगर अभी से तेज तपन होने के कारण जहां फलों के अंदर पैदा हो रहे अनाज में बढ़ोत्तरी होने में तेज तपन बाधक बन रही है। वही दूसरी ओर आसमान पर छाये हुये बादलों के कारण इल्ली सहित अन्य प्रकार की कीट जन्म लेते हुये दिखाई दे रहे है। इस प्रकार मौसम में गर्मी का होना रबी फसलों के लिए खतर नाक बना हुआ है। इस स्थिति में एक बार फिर क्षेत्र के किसान समस्याओं के जाल में फॅसते नजर आ रहे है तथा इस स्थिति में क्षेत्र के किसान भारी परेशानी में पड़ गये है।

मामला दर्ज होने के मात्र 12 घंटे के अंदर चोरी का आरोपी आया पुलिस की पकड़ में, तॉबे के तार सहित अन्य सामग्री जप्त

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान की टीम द्वारा की गई चोरी के मामले की कार्यवाही में जिस तरह पुलिस द्वारा मामला कायम होने के 12 घंटे के अंदर चोरी के आरोपी की खोजबीन करते हुये उसके पास से चोरी की सामग्री जप्त करने में जिस तरह से सफलता हासिल की गई इससे एक बार फिर यह बात साबित होने से नही चूक पाई है कि कानून के हाथ लम्बे होते है। यदि पुलिस अपने दायित्वों का निष्ठा के साथ निर्वाहन करे तो आरोपी पुलिस की पकड़ से ज्यादा समय तक दूर नही रहते है। क्योंकि चौहान की टीम द्वारा की गई कार्यवाही ने चंद घंटों के अंदर चोरी के आरोपी को पकड़ने में सफलता तो हासिल की गई है। वही आरोपी के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि आरोपी सत्ताधारी पार्टी के मंडल स्तर के पदाधिकारी के परिवार से नाते रखने के लिये लम्बे पहुंच वाला बताया जाता है...? वही इस कार्यवाही का खुलासा करते हुये पुलिस द्वारा बताया गया है कि बीते हुये 22-23 फरवरी की दरम्यानी रात रामेश्वर खेमरिया निवासी ग्राम कामती के घर की दहलान से ताँबे की रॉड एवं तार चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना गाडरवारा में धारा 331(4),305(a) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। घटना को लेकर पुलिस द्वारा मामला कायम करते ही पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में एक टीम का गठन किया गया था। इस टीम द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर संदेही को पुलिस अभिरक्षा में लिया। संदेही धर्मेन्द्र उर्फ हल्के जाटव से सघन पूछताछ पर घटना दिनांक को ताँबे की रॉड एवं तार चोरी कर अपने खेत की झाड़ियों में छिपाना स्वीकार किया। इसी के आधार पर पुलिस द्वारा आरोपी धर्मेन्द्र उर्फ हल्के जाटव पिता हेमराज जाटव उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम आमगाँव छोटा के पास चोरी की गयी 13 किलो ताँबे की रॉड,17 किलो ताँबे की तार कुल कीमती करीबन 60,000 रू. के हुए बरामद किये गये। इस कार्यवाही में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस,गाडरवारा ललित सिंह डागुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक सिंह चौहान के आलवा सहायक उप निरीक्षक राजेश तिवारी, प्रधान आरक्षक रामगोपाल सिंह राजपूत, आरक्षक विश्वजीत ठाकुर,बालकृष्ण रघुवंशी, सुजीत बागरी, शिवम पटेल,सौरभ मिश्रा, रामसिंह की सराहनीय भूमिका रही है।

रामकथा से मिलती है सद्गुणों की शिक्षा — राम स्वरुपाचार्य

सूखाखैरी के श्री विष्णु महायज्ञ में उमड़ा सैलाब

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। समीपस्थ ग्राम सूखाखैरी में 45 वां श्री विष्णु महायज्ञ एवं मानस सम्मेलन भव्यता के साथ जारी है। यज्ञ में प्रतिदिन बड़ी संख्या मे धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित होकर यज्ञ शाला की परिक्रमा एवं प्रवचनों का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे है। यज्ञ मे प्रतिदिन देव पूजन, हवन, आरती आदि धार्मिक आयोजन हो रहे है। यज्ञ के प्रवचन कार्यक्रम मे जगतगुरु कामदगिरी पीठाधीश्वर रामस्वरूपाचार्य महाराज ने रामकथा को सुनाते हुए कहा कि रामकथा से सदगुणो की शिक्षा मिलती है। भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम क्यों कहा जाता है यह जानने के लिए रामकथा को जरूर सुनना चाहिए। भगवान श्री राम के व्यक्तित्व से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। हमें अपने बच्चों को भी रामायण पढ़ने की शिक्षा देनी चाहिए। यज्ञ मे रात्रि के समय प्रवचन सुनाते हुए कथावाचक अंकुश ज़ी महाराज ने कहा कि ज़ब ज़ब पृथ्वी पर अधर्म का प्रभाव बढ़ने लगता है तो धर्म की रक्षा के लिए प्रभु अवतार लेते है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज मे सनातन धर्म का प्रचार प्रसार बहुत जरुरी है। यज्ञ का आयोजन सुख शांति लेकर आता है। महाराज जी ने कहा कि हमारे जीवन मे उच्च आचरण का होना जरुरी है क्योंकि हमारा अच्छा व्यवहार ही जीवन को उज्ज्वल बनाता है। यहाँ उल्लेखनीय है कि यज्ञ के आयोजन से पूरे क्षेत्र का माहौल धर्ममय बना हुआ है।

शहर के वीरान इलाकों से लेकर सड़क किनारे संचालित हो रहे ढ़ाबों में देर रात तक छलकते जाम शांति व्यवस्था को लगा रहे ग्रहण..

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां पूर्व के समय में लोग शराब पीने के लिए ऐसी जगह खोजते थें जहां पर किसी की नजर न पड़े मगर इस समय तो स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि लोगों द्वारा जहां तहां बैठकर शराब का सेवन करते हुए नशे की हालत में सड़कों पर घूमते हुए आसानी से देख जा राकता है? इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो वर्तमान में अनुमानतः शहर के 60 प्रतिशत युवाओं और किशोरो में शराब पीने का शौक ऐसा लगा है कि वे रात को बिना जाम छलकाये रह ही नही पा रहे है, जिसके चलते वे शहर में एक भी वीयरवार न होने और अधिकांश शहर में बने हुये ढावों में शराब के जाम छलकाने के लिए उपयुक्त जगहों पर जाना पड़ता है पड़ता है और खुलेआम नगर के पास पास बने हुये ढ़ावों में देर रात तक शराब खोरी होते हुये दिखाई दे रही है? बताया जाता है कि इन दिनों शराब के शौकिनों द्वारा नगर के वायपास मार्ग पर स्थित ढाबों में जहां खुलेआम शराब की विक्री होने के साथ साथ यहां पर देर रात तक शराब पीने वालों की महफिले सजी हुई देखी जा रही है? इतना नही नही हालत यह बन चुकी है कि शहर से चंद कदम दूरी पर संचालित होने वाले इन ढाबो में अवैध रूप से बिकने वाली शराब व देर रात के होने वाली शराब खोरी के चलते जहां क्षेत्र के गांवों के लोगों का शहर आना मुश्किल होते हुये जान पड़ रहा है तो दूसरी ओर रात के समय ट्रेनों से उतरकर अपने गांव जाने वाले लोग भी अपने आपको असुरक्षित महसूस करने से नही चूक रहे है? क्षेत्रवासियों द्वारा पुलिस प्रशासन के अधिकारियों द्वारा शहर के आसपास संचालित होने वाले ढाबो पर चलने वाले शराब के अवैध कारोबार पर सख्ती से अंकुश लगाने की माग की जा रही है।

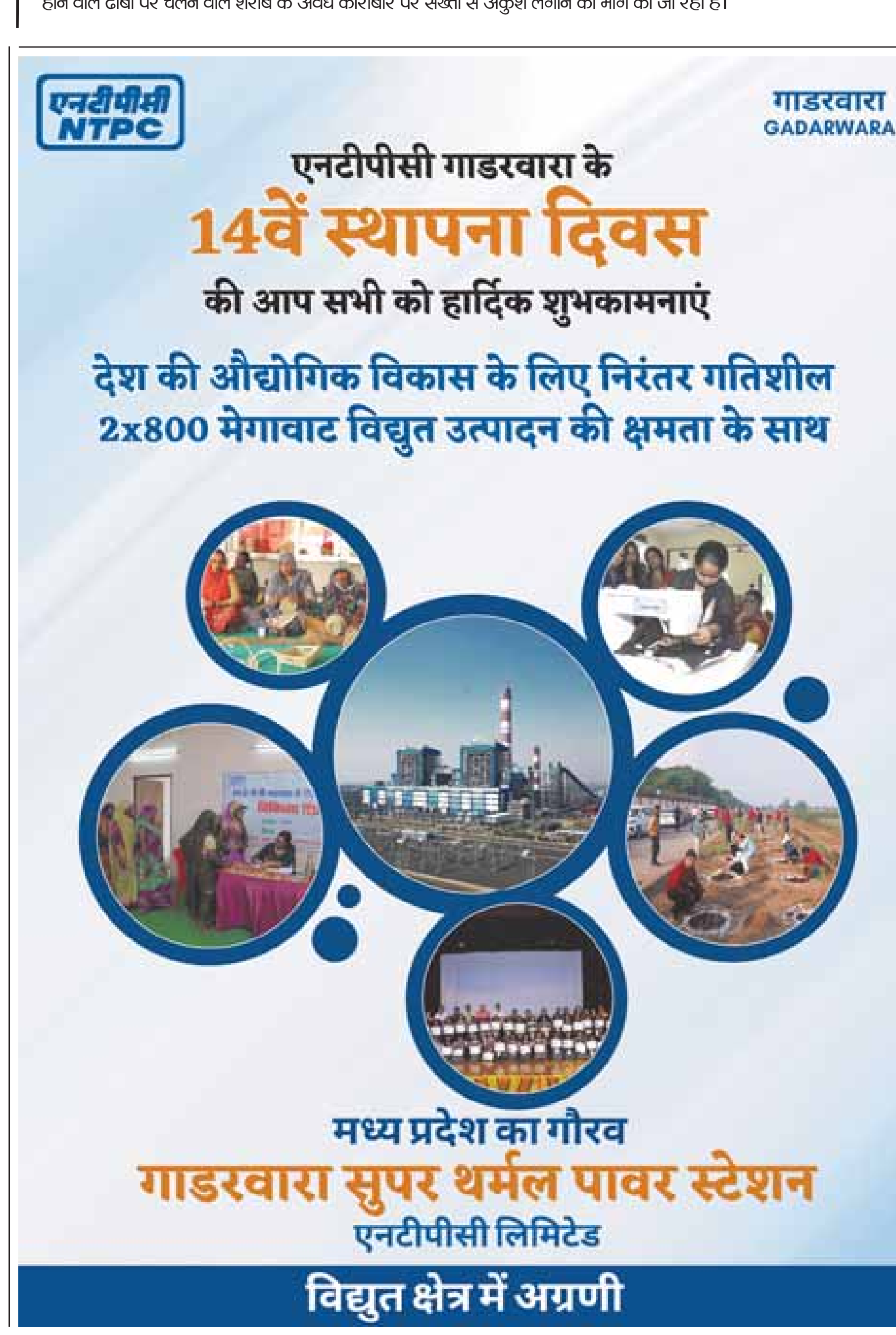

मवेशी खरीदना या बेचना दलालों के माध्यम से करने के लिए मजबूर

दलालों का बोलबाला होने से अव्यवस्थाओं का शिकार हो रहा है नगर का मवेशी बाजार

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से प्रति रविवार को नगर में लगने वाला मवेशी बाजार सिर्फ जिले में ही नही बल्कि दूसरे जिलों में भी प्रसिद्व हो चुका है, जिसके चलते प्रत्येक रविवार को यहां पर दूर के व्यापारी पहुंचकर मन पसंद मवेशी खरीदने के लिए आते है। मगर कुछ समय से यह बाजार लगातार दलालों के चंगुल में आ जाने के कारण सीधे साधे व्यापारियों के लिए सिर्फ परेशानी का कारण ही नही बल्कि अव्यवस्थाओं का शिकार भी हो रहे है? यदि इस मवेशी बाजार की सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र के किसान अपने मवेशियों को यहां पर बेचने के लिए लाते है। मगर बाजार में मौजूद दलालों के चलते लोग अपने मवेशी को मन के मुताबिक कीमत पर नही बेच पाते है यदि किसी व्यक्ति को कोई मवेशी खरीदना या बेचना होता है तो वह दलालों के माध्यम से ही खरीद या विक्री करने के लिए मजबूर होता हुआ दिखाई दे रहे है। इस स्थिति के चलते जहां पशु मालिकों को उनका सही दाम नही मिल पा रहा है वही दूसरी ओर देखा जाता है कि जब कोई व्यक्ति दलालों के अनुसार अपने मवेशी की खरीदी या बिक्री नही करता है तो दलाल नुमा लोग उन्हें परेशान करने से भी नही चूकते है? इस सच्चाई को लेकर जहां यह बाजार अपना अस्तिव खोते हुए दिखाई देने लगा है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस बाजार में पुलिस की तैनाती नही रहने की स्थिति में कुछ दलाल नुमा लोगों द्वारा खुलेआम पुलिस के नाम पर मवेशी परिवहन करने वाले लोगों से अवैध बसूली करते हुए दिखाई दे रहे है? जिसकी सच्चाई बीते हुए बाजार में भी देखने मिली है। बताया जाता है कि जहां क्षेत्र के किसान अपने मवेशियों को बेचने के लिए वाहनों के माध्यम से लाते है उन किसानों से भी कुछ लोगों से अपना पुलिस के बीच प्रेम प्रसंग का बास्ता देते हुए पुलिस के नाम पर अवैध बसूली करते हुए आसानी से देखे जा रहे है..? वही दूसरी ओर कुछ इस प्रकार के व्यापारी भी है जो बाजार से थोंक में बूढे मवेशी खरीदने के बाद उन्हें कसाई घरों ले जाने के लिए उन्हें अपने वाहनों में कूरूरता पूर्वक भर कर ले जाने से नही चूकते है, इस प्रकार के लोगों को कुछ लोगों द्वारा पुलिस से पूरी सुरक्षा का जिम्मा लेने का भरोसा दिलाते हुए उनका नियम विरूद्व परिवहन कराने से भी नही चूक रहे है? पहले देखा जाता था कि जब इस मवेशी बाजार में पुलिस की डियूटी रहती थी तो मवेशियों का अवैध रूप से करूरता पूर्वक परिवहन करने वालों की गतिविधियों पर अंकुश लगा हुआ था, मगर अब घोषित रूप से पुलिस की डियूटी नही रहने के कारण कुछ दलालों द्वारा इस प्रकार से कूरूरता पूर्वक पशुओं को ले जाने वालों से पुलिस के नाम पर पैसा बसूलते हुए पुलिस की कार्य प्रणाली पर दाग लगाने से नही चूक रहे है? इस प्रकार से प्रति रविवार को देखा जाता है कि नगर के मवेशी बाजार में मवेशियों का क्रय विक्रय कराने से लेकर उनका परिवहन कराने का जिम्मा लेने की बात करते हुए खुलेआम अवैध बसूली करते हुए देखे जा रहे है? इसी का परिणाम है कि गाडरवारा क्षेत्र में फिर पशुओं की कुरूरता पूर्वक परिवहन की गतिविधियाँ नजर आने लगी है तथा शहर सहित क्षेत्र के आसपास अनेक जगहों से पशुओं को खुलेआम वाहनों में कुरूरता पूर्वक भरा जा रहा है? इस प्रकार से पुलिस के नाम पर दलाल नुमा लोगों द्वारा की जा रही अवैध बसूली की सच्चाई को लेकर पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध बनते हुये नजर आने से नही चूक पा रही है?

खबर संक्षेप

किरर बड़हर मार्ग में मृत मिला सफेद पीठ वाला गिद्ध, वनविभाग पहुंचा मौके पर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। बुधवार की दोपहर वन परिक्षेत्र अनूपपुर के किरर बीट अंतर्गत किरर से बड़हर मुख्य मार्ग पर एक सफेद पीठ, सफेद दुम वाला गिद्ध मुख्य मार्ग के किनारे अज्ञात कारणो से मृत स्थिति में पड़े होने की सूचना मनोज पटेल सचिव ग्राम पंचायत औढेरा द्वारा वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल को अवगत कराए जाने पर अगवाल द्वारा वन परिक्षेत्र अधिकारी अनूपपुर स्वर्ण गौरव सिंह एवं परि, सहायक किरर रिटर्ड रेगी राव को अवगत कराया गया सूचना पर वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचकर मृत गिद्ध के शव को सुरक्षित वन चौकी किरर में ला कर रखा गया है। विदित है कि 20-21 एवं 22 फरवरी को प्रदेश स्तर पर सभी वन मण्डलो के वन परिक्षेत्रो में संकटापन्न गिद्धों की गणना का कार्य तीन दिनों तक कराया गया रहा जिसमें वन परिक्षेत्र अनूपपुर के बड़हर, किरर एवं औढेरा बीट के जंगलों में गिद्धों के चट्टान एवं विभिन्न प्रकार के पेड़ों में विचरण करने पेड़ों में घोसला एवं चट्टानों में आवासों में रहना पाए गए रहे हैं। अचानक अज्ञात कारण से एक गिद्ध की मौत चिंता का विषय बना हुआ है।

पीएम आवास के तृतीय किस्त प्राप्त हितग्राहियों के कार्यों की पूर्णता सुनिश्चित करें-सीईओ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने जिला पंचायत सभागार में आयोजित प्रधानमंत्री आवास के समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास तथा जनमन आवासो की समीक्षा करते हुए तृतीय किस्त प्राप्त हितग्राहियो के कार्यों की पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। समीक्षा बैठक में जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी आवास उमेश द्विवेदी, आवास के विकासखंड समन्वयक तथा पंचायत समन्वयक अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास तथा जनमन आवास के विकास खण्डवार तथा कलस्टर वार समीक्षा करते हुए जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने प्रधानमंत्री जनमन आवास निर्माण कार्यों की साप्ताहिक प्रगति का लक्ष्य लेकर प्रत्येक हितग्राहियों के कार्यों की सघन मॉनिटरिंग कर लक्ष्यो के अनुरूप प्रगति परिलक्षित करने के निर्देश आवास के विकासखंड समन्वयको तथा पंचायत समन्वय अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा है कि हितग्राहियों से व्यक्तिगत सम्पर्क कर पूर्णता के प्रयास सुनिश्चित करें। बैठक में उन्होंने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणो को संतुष्टि से निराकृत करने के निर्देश दिए हैं।

पुष्पराजगढ़ में आज सामूहिक विवाह समारोह का होगा आयोजन

अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशों के पालन में कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की तिथियां निर्धारित की गई हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज 26 फरवरी को जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के एमपीईबी ग्राउंड पुष्पराजगढ़ में सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में नगरपालिका परिषद कोतमा तथा बिजुरी एवं नगर परिषद अमरकंटक सहित जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायतों के वर-वधु सम्मिलित होंगे।

कलेक्ट्रेट खेल मैदान में 'किसान कल्याण वर्ष 2026' के तहत मिलेट्स मेला संपन्न

डिंडौरी।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में कलेक्ट्रेट खेल मैदान में कृषि धन-धान्य योजना अंतर्गत 'किसान कल्याण वर्ष 2026' के अवसर पर "मिलेट्स व्यंजन मेला सह प्रदर्शनी" का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मिलेट्स 'श्री अन्न', विशेषकर कोदो-कुटकी को बढ़ावा देना रहा। यह फसल कम जल में उगने वाली, पोषक तत्वों से भरपूर तथा पर्यावरण के अनुकूल है, जो खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के साथ जैव विविधता संरक्षण में भी सहायक है।जिला प्रशासन द्वारा "एक जिला-एक उत्पाद" के तहत कोदो-कुटकी आधारित प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें जिले के किसान, स्व-सहायता समूह एवं विभिन्न विभागों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।मेले में मिलेट्स प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धित उत्पादों की चलित प्रदर्शनी, कृषक-वैज्ञानिक संवाद तथा मिलेट्स व्यंजन प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहे। नगर पालिका डिंडौरी, नेचुरल फार्मिंग कंपनी लिमिटेड, तेजस्विनी रूरल डेवलपमेंट समिति, महिला एवं बाल विकास विभाग, म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन, उद्यानिकी एवं आयुष विभाग द्वारा भी स्टॉल लगाए गए। सभी उत्पाद जैविक खेती पर आधारित रहे।

मिलेट्स व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार स्थानीय 'श्री अन्न' उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पके हुए व्यंजनों की प्रतियोगिता आयोजित की गई। विभिन्न स्व-सहायता समूहों एवं महिला किसानों ने खीर, इडली, कुकीज, पुलाव, हलुआ, लड्डू, बर्फी, नमकीन, पूड़ी, चटनी, बिरयानी सहित अनेक पारंपरिक और नवाचार व्यंजन प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता में हलचलित महिला किसान समूह को प्रथम, आनंदम दीदी कैफे को द्वितीय एवं महिला किसान समूह अध्यक्ष श्रीमती रेखा पन्द्राम (मेंहदवानी) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कोदो-कुटकी से बने केक, लौकी की बर्फी, गुलगुले, सिमैया, पेज, पताली चटनी, कोदो की पूरी और रोटी जैसे व्यंजन विशेष सराहे गए।कार्यक्रम में जनजातीय कृषक महिलाओं को पारंपरिक खेती के प्रति जागरूक करने हेतु लोक नृत्य प्रस्तुत किए गए। मंच संचालन मंजू शर्मा एवं रेणु पाठक ने कियाकार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू ब्यौहार, जिला अध्यक्ष श्री चमरू सिंह नेताम, पूर्व अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह राजपूत, श्री सुधीर दत्त तिवारी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती आशा सिंह, जिला किसान संघ अध्यक्ष बिहारी लाल साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया सहित कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।अपने उद्बोधन में जनप्रतिनिधियों ने श्री अन्न को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बताते हुए किसानों की आय वृद्धि में इसकी महत्ता पर बल दिया। कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने कहा कि पीएम कृषि धन-धान्य योजना अंतर्गत वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है तथा "एक जिला-एक उत्पाद" के तहत मिलेट्स को विशेष प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने जिले की लहरी बाई, उजयारो बाई, फूलझरी बाई और रेखा दीदी द्वारा श्री अन्न के संरक्षण एवं प्रसंस्करण में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। साथ ही पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग और जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत किसान हितग्राहियों को अनुदान एवं केसीसी कार्ड वितरित किए गए। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति राशि प्रदान की गई।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान एवं आमजन उपस्थित रहे।

संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति पर समीक्षा बैठक आयोजित

डिंडौरी।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में 'संकल्प से समाधान' अभियान की प्रगति की समीक्षा हेतु कलेक्टर सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर श्री जे.पी. यादव, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर श्री वैधनाथ वासनिक, अपर कलेक्टर सुश्री प्रयांशी जैन सहित सभी जनपद पंचायतों के सीईओ और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र भरवाकर समग्र आईडी एवं आधार कार्ड की प्रविष्टियां तीन दिवस के भीतर पूर्ण कराई जाएं। उन्होंने विकासखंड और पंचायत स्तर पर बैठकें आयोजित कर लंबित एवं अधूरे कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ समय पर हितग्राहियों तक पहुंच सके।

निःक्षय पोषण योजना के तहत जिले में चिन्हित 116 टीबी मरीजों को विकासखंडवार पोषण किट उपलब्ध कराने के लिए जनपद सीईओ को जिम्मेदारी सौंपी गई। कलेक्टर ने कहा कि 'निःक्षय पोषण मित्र' के माध्यम से प्रदाय की जाने वाली किट का नियमित उपयोग सुनिश्चित किया जाए, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार हो सके।शिक्षा विभाग को निर्देशित किया गया कि 1 अप्रैल से प्रारंभ होने वाले प्रवेश उत्सव सप्ताह के दौरान कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के नामांकन को विशेष अभियान के रूप में संचालित किया जाए। जिला शिक्षा अधिकारी, डीपीसी, सर्व शिक्षा अभियान और जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी अपने-अपने विद्यालयों में उपस्थित रहकर प्रवेश उत्सव मनाएं तथा विद्यार्थियों को पेन और कॉपी वितरित कर प्रोत्साहित करें, ताकि कोई भी बालक-बालिका शिक्षा से वंचित न रहे।इसके अतिरिक्त पशुपालन, महिला एवं बाल विकास, आयुष तथा निःशक्तजन सामाजिक कल्याण विभाग को निर्देश दिए गए कि चिन्हित दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र, पेंशन प्रकरण और आवश्यक सहायक उपकरणों की सूची तैयार कर शीघ्र लाभ उपलब्ध कराया जाए।कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि 'संकल्प से समाधान' अभियान का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत महिला जनप्रतिनिधियों का सम्मेलन

डिंडौरी।

कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत महिला जनप्रतिनिधियों का एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दिव्यांशु चौधरी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पंकज जैन, महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान के संकाय सदस्य श्री पंकज जैन, राज्य सलाहकार श्री नवीन शिवा, प्रदान संस्था भोपाल की सुश्री अश्विनी देशमुख, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री ईश्वर प्रसाद साहू एवं महिला जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने अतिथियों का स्वागत किया।सम्मेलन को संबोधित करते हुए अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्राम पंचायत से लेकर जनपद एवं जिला स्तर तक महिला जनप्रतिनिधियों की बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व क्षमता की सराहना की। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की सक्रिय भूमिका से ग्रामीण विकास को नई दिशा मिल रही है।

कार्यक्रम के दौरान प्रदान संस्था के मास्टर ट्रेनर द्वारा महिला सरपंच, उपसरपंच एवं पंचों के साथ सामूहिक संवाद किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य महिला जनप्रतिनिधियों की सहभागिता को सशक्त बनाना तथा उनकी नेतृत्व एवं कार्यकुशलता में वृद्धि करना था। प्रतिभागियों ने अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के अनुभव साझा किए और एक-दूसरे को प्रेरित किया।मास्टर ट्रेनर्स ने प्रश्नोत्तर, व्याख्यान और गतिविधि आधारित सत्रों के माध्यम से प्रभावी नेतृत्व, योजना निर्माण, वित्तीय प्रबंधन एवं पारदर्शिता जैसे विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया।सम्मेलन में जिले के सभी जनपदों से 350 से अधिक महिला जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला एवं ब्लॉक स्तर के समन्वयक तथा ग्राम स्वराज ऑपरेटर भी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर के हस्तक्षेप से 9 वर्ष से जब्त वाहन हुआ मुक्त

डिंडौरी। कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान एक लंबे समय से लंबित प्रकरण का समाधान हुआ। वाहन स्वामी श्री धनंजय तिवारी, पिता श्री शीतल प्रसाद, निवासी मानिकपुर थाना समनापुर, तहसील एवं जिला डिंडौरी ने अपने जब्त वाहन को मुक्त कराने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया।आवेदक ने बताया कि उनका वाहन क्रमांक एमपी-13 केसी-7755 को 19 अक्टूबर 2019 को दस्तावेजों के अभाव में थाना परिसर डिंडौरी में विशेष जांच दल जबलपुर द्वारा जब्त कर लिया गया था। वाहन की रिहाई के लिए वे पिछले नौ वर्षों से प्रयासरत थे, लेकिन प्रकरण का निराकरण नहीं हो पा रहा था। जनसुनवाई में मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने तत्काल जिला परिवहन अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निर्देशानुसार प्रकरण की जांच कर शासन की अधिसूचना के तहत अधिकृत पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा (आरवीएफएस) योजना के प्रावधानों के अंतर्गत राहत प्रदान की गई तथा मोटरयान नियमों के अनुसार आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कराई गई।निर्धारित शर्तों का पालन करने के बाद वाहन स्वामी को उनका वाहन सौंप दिया गया। लंबे समय से अटके प्रकरण के समाधान के बाद श्री तिवारी ने संतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर एवं जिला प्रशासन का आभार जताया।

सामाजिक अंकेक्षण स्थायी समिति की बैठक में योजनाओं की समीक्षा

डिंडौरी।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में सामाजिक अंकेक्षण की स्थायी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत किए गए कार्यों एवं सामाजिक अंकेक्षण प्रतिवेदनों की विस्तार से समीक्षा की गई।जिला समन्वयक सामाजिक अंकेक्षण श्री कृष्णकांत दुबे ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) अंतर्गत संपादित कार्यों, भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मंडल द्वारा प्रदत्त अनुग्रह सहायता तथा आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों से संबंधित सामाजिक अंकेक्षण प्रतिवेदन समिति के समक्ष प्रस्तुत किए।बैठक में कलेक्टर ने समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि सामाजिक अंकेक्षण में प्राप्त आपत्तियों एवं मुद्दों के निराकरण के लिए आगामी माह में विकासखंड स्तर पर जनसुनवाई आयोजित की जाए। साथ ही, निराकरण संबंधी प्रतिवेदन निर्धारित समयसीमा में पोर्टल पर दर्ज करना सुनिश्चित किया जाए।कलेक्टर ने वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक मनरेगा अंतर्गत वित्तीय अनियमितता, वित्तीय विचलन एवं प्रक्रिया उल्लंघन से जुड़े प्रकरणों की 15 दिवस के भीतर जांच कर नियमानुसार वसूली प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोपरि है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी सहित समस्त जनपद पंचायतों के सीईओ एवं स्थायी समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

दो भागों में बटे तीन हाथी, घर एवं फसल का कर रहे नुकसान रात रात जाग कर खतरा मोल ले कर ग्रामीण, खदेड़ते हैं हाथी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

तीन हाथियों का समूह दो अलग-अलग हिस्सों में बट कर निरंतर 64 दिनो से अनूपपुर जिले में भ्रमण कर रहे हैं जो दिन के समय जंगल में रहकर शाम एवं रात होते ही जंगल से लगे ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर ग्रामीणों के घरो में तोड़फोड़ कर एवं खेतों में लगी विभिन्न तरह की फसलों को अपना आहार बना रहे हैं निरंतर हाथियों के विचरण करने एवं नुकसान करने से ग्रामीण जन बेहद परेशान है ग्रामीण जन हाथियों के आने पर रात रात भर जाग कर हाथियों को अपने इलाके से खदेड़ने को मजबूर है ग्रामीणों ने जिले के जनप्रतिनिधियों, वन विभाग एवं जिला प्रशासन से हाथियों को जिले से दूर करने हेतु ठोस कदम उठाए जाने की मांग की है। तीन हाथियों का समूह चार-पांच दिन से एक बार फिर दो एवं एक की संख्या में अलग-अलग होकर वन परिक्षेत्र थाना एवं तहसील जैतहरी के धनगवां बीट अंतर्गत ग्राम पंचायत कुकुरगोंड़ा एवं पड़रिया के ग्रामीण अंचल से लगे जंगल में दिन में ठहरने बाद शाम एवं रात होते ही जंगल से निकल कर रविवार की रात एक दांत वाला नर हाथी ग्राम पंचायत पड़रिया की चोई गांव अंतर्गत जुनहाटोला निवासी रामायण पिता रामसहाय राठौर, पडमनिया टोला निवासी गीता प्रसाद पिता महेश राठौर, वन चौकी एवं पडमनिया टोला निवासी ललन राठौर पिता पूरनलाल राठौर के खेत में लगे गेहूं एवं अन्य तरह की फसलों को रात भर अपना आहार बनाया

होली रमजान पर मिलावट का जाल, शहर-शहर नकली मिठाइयों का कारोबार-कन्हैयालाल मिश्रा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भारतीय गण वार्ता (भगवा) पार्टी के जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जिले में होली और रमजान के अवसर पर बढ़ती खाद्य मिलावट पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि रंगों और इबादत के पावन पर्व के दौरान बाजारों में नकली मावा, मिलावटी तेल, कृत्रिम रंगों से सजी मिठाइयाँ और संदिग्ध खजूर की खुलेआम बिक्री हो रही है, जो आमजन के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। मिश्रा ने आरोप लगाया कि जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग की निष्क्रियता के कारण मिलावटखोर बेखौफ होकर अपने अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे हैं।

खजूर में केमिकल और शुगर सिरप की मिलावट- रमजान को देखते हुए बाजारों में बड़ी मात्रा में खजूर की बिक्री हो रही है। जानकारी मिली है कि कई दुकानों में खजूर को आकर्षक दिखाने के लिए शुगर सिरप और रासायनिक पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है। ऐसे उत्पाद स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

होली की गुजिया और मावा संदेह के घेरे में- होली के प्रमुख व्यंजन गुजिया में उपयोग होने वाला मावा भी मिलावटी पाया जा रहा है।

खबर संक्षेप

बिगड़ते मौसम के मिजाज ने बढ़ाई किसानों की चिंता

तेंदूखेड़ा। पिछले दो तीन दिन से अचानक बादल छा जाने से किसानों की चिंतायें बढ़ती चली जा रही है। किसानों का कहना है कि अधिकांश क्षेत्रों में बटरी मसूर और चने की फसलें पक कर तैयार हो गई है। कुछ ही दिनों में कटाई का कार्य शुरू होगा। यदि बारिश हो जाती है तो नुकसान हो सकता है। वहीं गेंहू की फसल भी आड़ी होने से ग्रोथ कम होने से पर्याप्त मात्रा में उपज नहीं होने की आशंका बनीं हुई है।

छेड़खानी करने वाले आरोपी को सजा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंकिता श्रीवास्तव लड़की से छेड़खानी करने वाले आरोपी राहुल झारिया (मेहरा) उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम डांगीढाना थाना स्टेशनगंज जिला नरसिंहपुर म.प्र को धारा 451, 354, 354(क) (1)(प), 354 (घ) भा.द.सं. में 01-01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500-500- रूपये अर्थदण्ड, कुल 2,000- रूपये अर्थदण्ड से दंडित किया है।

किसानों ने ई- टोकन के माध्यम से उर्वरक का किया क्रय

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उप संचालक कृषि मोरिस नाथ ने बताया कि ई- विकास प्रणाली (ई-टोकन उर्वरक वितरण) अंतर्गत जिले में 24 फरवरी तक की स्थिति में 27 हजार 469 किसानों के द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया गया, जिसमें से 14 हजार 107 किसानों द्वारा ई-टोकन जनरेट किये गये और 9 हजार 317 किसानों द्वारा ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक क्रय किया गया है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के मार्गदर्शन में जिले के किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में किसानों के लिए उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है और जिले में उर्वरकों की रैक प्राप्त हो रही है। इसी क्रम में नरसिंहपुर रैक प्वाइंट पर इफको कम्पनी की यूरिया रैक प्राप्त हुआ। उप संचालक कृषि ने रैक प्वाइंट पर जाकर उर्वरक का निरीक्षण किया। जिले में रेक आने के 2 दिवस के अंदर ई- टोकन बुक करने के लिए प्रातः 11 बजे स्टॉक अपडेट किया जायेगा, जिसका वितरण शीघ्र ही ई-विकास प्रणाली से किसानों को किया जायेगा। किसान ई-टोकन बुक एवं वितरण केन्द्र चयन करते समय यदि सेवा सहकारी समिति में तकनीकी समस्या आती है, तो जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक नरसिंहपुर से संपर्क करें। मार्कफेड वितरण केन्द्र चयन करते समय यदि तकनीकी समस्या आती है, तो जिला विपणन अधिकारी नरसिंहपुर से संपर्क करें। निजी प्राईवेट वितरण केन्द्र चयन करते समय यदि तकनीकी समस्या आती है, तो उप संचालक कृषि नरसिंहपुर के कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

152 किलो गांजा जब्त, नेशनल हाईवे 44 पर कोतवाली पुलिस की कार्रवाई

अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क ध्वस्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नरसिंहपुर पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क पर करारा प्रहार किया है। थाना कोतवाली पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर घेराबंदी कर 152 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त किया है तथा एक अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। जब्त मशरूका की कुल कीमत लगभग 50 लाख रुपये बताई जा रही है।

जब्त मशरूका की कुल कीमत लगभग 50 लाख रुपये

पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक पिकअप वाहन के जरिए भारी मात्रा में गांजा छत्तीसगढ़ से उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी नरसिंहपुर मनोज गुप्ता के नेतृत्व में थाना कोतवाली की विशेष टीम गठित की गई।

पुलिस टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर कपूरी तिराहे के आगे नाकेबंदी कर तेज गति से आ रहे संदिग्ध पिकअप वाहन क्रमांक CG 06 M 0931 को घेराबंदी कर रोका।

खाली कैरेटों की आड़ में छिपाकर रखा

तलाशी के दौरान वाहन में रखे खाली कैरेटों के बीच बोरियों में छिपाकर रखा गया 152 किलो गांजा बरामद किया गया।तस्कर ने बड़ी चालाकी से गांजे को खाली कैरेटों के बीच छिपाया था ताकि पुलिस की नजर से बच सके, लेकिन सतर्कता से की गई तलाशी में पूरी खेप पकड़ी गई।

यूपी जा रही थी नशे की खेप

पकड़े गए चालक ने अपना नाम रोहित सिंह निवम, निवासी ग्वालियर (म.प्र.) बताया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह यह गांजा राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) से झांसी (उत्तर प्रदेश) लेकर जा रहा था, जो वाहन मालिक बंटी सोनी के कहने पर लाया गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 8क्20(ख), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

इनकी रही अहम भूमिका

थाना प्रभारी निरीक्षक गौरव चांटे, उप निरीक्षक भीम बक्सर, आरक्षक सौरभ पटेल, अभय तिवारी, नीलेश दुबे, उमेश्वर पाठक, कुलदीप साहू, राहुल दुबे, अनुराग दुबे एवं श्रेय अवस्थी की टीम ने इस बड़ी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नरसिंहपुर पुलिस की नशे के कारोबार पर अब तक का सबसे बड़ा प्रहार माना जा रहा है।

पीएम श्री विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सीईओ जिला पंचायत की अध्यक्षता में पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बोहानी की विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक बुधवार को सम्पन्न हुई। बैठक में विद्यालय की समस्त शैक्षणिक, खेलकूद, गीत संगीत, नृत्यकला, आईसीटी, रोबोटिक्स, आत्मरक्षा आदि उपलब्धियों और गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आधारभूत ढांचे और निर्माण संबंधी कार्यों के साथ- साथ जल एवं विद्युत आपूर्ति से संबंधित प्रगति से अवगत कराया। सीईओ जिला पंचायत ने विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जवाहर नवोदय विद्यालय देश के सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों में से एक विद्यालय है। उन्होंने निर्माणाधीन स्किल लैब, गणित गार्डन, भूगोल गार्डन का भी अवलोकन किया। इस दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती सीमा डोंगरे, अभियंता लोक निर्माण विभाग गाडरवारा श्री सागर पटेल, शासकीय राघव कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोहानी के प्राचार्य श्री अजय शर्मा, चिकित्सा अधिकारी डॉ. जगदीश वर्मा, विद्यालय के उप प्राचार्य श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, समिति के अन्य सदस्य और विद्यालय का स्टॉफ मौजूद था।

अटल टिंकरिंग रोबोटिक लैब में राष्ट्रीय नवाचार सप्ताह पर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय नवाचार सप्ताह के अन्तर्गत सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में अटल इनोवेशन के माध्यम से विद्यार्थियों में रटने के बजाय प्रयोग करके सीखने पर फोकस किया गया जिससे उनके अन्दर छिपी प्रतिभा उभार कर उनमें वैज्ञानिक सोच व तकनीकी ज्ञान से जोड़ा जा सके। अटल टिंकरिंग रोबोटिक लैब प्रभारी हिमांशु विश्वकर्मा के मार्गदर्शन एवं कम्प्यूटर लैब प्रभारी मिथलेश विश्वकर्मा, विज्ञान प्रभारी देवीसिंह विश्वकर्मा, श्रीमती प्रियंका सोनी, सुरेश पटैल के दिशा निर्देश में नव निर्मित नवाचार का प्रदर्शन किया गया जिसका अवलोकन संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी प्रभारी राजेन्द्र पटैल द्वारा करते हुये तैयार प्रोजेक्ट की सराहना कर छात्र छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। कक्षा सप्तम्‌ से शुभ गुप्ता, योगेश, आदर्श प्रजापति, प्रेमराज द्वारा नवीनीकरण ऊर्जा पर आधारित मानव बस्ती से संबंधित प्रोजेक्ट, रोशन पटैल, मणिकांत मिश्रा

शिवम एवं रूद्र शर्मा द्वारा फोर वाय फोर आर्मी व्हीकल बनाया गया, आदर्श पटैल द्वारा आर्मी मिसाइल लॉन्चर एवं टो ट्रक बनाया गया। इसके अलावा दीपेश, अजीत, ओम द्वारा फॉयर विकेट, अदिति, खुशी एवं सौम्या द्वारा कोशिका पर आधारित प्रोजेक्ट बनाया गया। अटल टिंकरिंग रोबोटिक लैब प्रभारी इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर श्री विश्वकर्मा ने बताया कि आगामी सत्र से कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के छात्र - छात्राओं को ए.आई., मशीन लर्निंग, कोडिंग, एनीमेशन थ्री डी प्रिटिंग जैसी आधुनिक तकनीक में प्रशिक्षित किया जायेगा।

नहीं रहीं कुसुमरानी जैन

तेंदूखेड़ा विगत दिवस नगर के प्रतिष्ठित वरियावाले परिवार के सेठ राजेश कुमार डॉ सजंय जैन मुकेश कुमार संदीप जैन पत्रकार दिनेश जैन की पूज्य माँ श्रीमती कुसुमरानी जैन का निधन हो जाने पर नगर के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी गई।

स्वच्छ भारत अभियान को ठेंगा – पिपरिया मवई में ग्रामीण खुद कर रहे नालियों की सफाई

गोटेगांव। स्वच्छता को लेकर सरकारी दावों की पोल जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत पिपरिया मवई में खुलती नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक ग्रामीण स्वयं नाली की सफाई करता दिखाई दे रहा है।ग्रामीणों का आरोप है कि नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा था और दुर्गंध के कारण जीवन दूभर हो गया था। शिकायतों के बावजूद जब पंचायत प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया तो मजबूरी में ग्रामीण को स्वयं सफाई करनी पड़ी। हालांकि वीडियो की वास्तविकता की पुष्टि होना बाकी है, लेकिन घटना ने पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नागरिकों ने जिला प्रशासन से स्वच्छता मद में खर्च राशि की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

दादा महाराज मंदिर के पास फल-प्रसाद दुकान को लेकर हुआ विवाद

घायल युवक का मेडिकल, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नरसिंहपुर शहर के डोकरघाट स्थित दादा महाराज मंदिर के पास मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब फल और प्रसाद की दुकान लगाने को लेकर दो पक्षों में पुरानी रंजिश के चलते विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि बात मारपीट और तोड़फोड़ तक पहुंच गई, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्टेशनगंज थाना प्रभारी सौरभ पटेल के अनुसार दोनों पक्षों के बीच पहले से रंजिश चली आ रही थी। इसी को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हाथापाई और तोड़फोड़ में बदल गई।

पीड़ति पक्ष की शिकायत पर मामला दर्ज

घटना के बाद संतोष चैधरी थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उन्हें मेडिकल परीक्षण (एमएलसी) के लिए जिला अस्पताल भेजा संतोष का आरोप है कि दीपक नामक युवक उसकी दुकान पर आया, गाली-गलौज करते हुए तोड़फोड़ करने लगा। विरोध करने पर दीपक ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसे चोटें आईं। बताया जा रहा है कि संतोष और दीपक दोनों एक ही गांव के निवासी हैं। पुलिस ने पीड़ति की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया ।

नियमों में पक्षपात? बिना नंबर बस को छोड़ पुलिस ने काटे आम लोगों के चालान

गोटेगांव। बीते दिवस जिला फाटक के पास नरसिंहपुर रोड पर चलाए गए वाहन चेकिंग अभियान में पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल उठे। जहां दोपहिया और चारपहिया वाहनों के दस्तावेजों की सख्ती से जांच कर चालान काटे जा रहे थे, वहीं बिना नंबर प्लेट की एक बस को बिना रोक-टोक जाने दिया गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस के आगे नंबर प्लेट नहीं थी, जो यातायात नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। इसके बावजूद पुलिस ने उसे नहीं रोका। इस पर स्थानीय लोगों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि यदि ऐसा वाहन दुर्घटना कर फरार हो जाए तो उसकी पहचान कैसे होगी? नागरिकों ने मांग की है कि यातायात नियमों का पालन सभी के लिए समान रूप से सुनिश्चित किया जाए। चेकिंग अभियान में पारदर्शिता लाने की भी मांग की गई है, ताकि सड़क सुरक्षा केवल औपचारिकता बनकर न रह जाए।

शिकायत निवारण शिविर का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। परिवहन आयुक्त के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में आरटीओ कार्यालय में सीएम हेल्पलाइन का शिकायत निवारण शिविर मंगलवार 24 फरवरी को परिवहन कार्यालय, सिवनी में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

झाड़ियों में खोया हैंडपंप, 8 वर्षों से बूंद-बूंद पानी को तरस रहे राजा कछार के ग्रामीण

गोटेगांव। क्षेत्र की ग्राम पंचायत राजा कछार इन दिनों अव्यवस्थाओं के कारण चर्चा में है। ग्राम तिरका में पेयजल संकट गंभीर रूप ले चुका है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में लगा एक सरकारी हैंडपंप पिछले आठ वर्षों से बंद पड़ा है और देखरेख के अभाव में कंटीली झाड़ियों व कचरे में पूरी तरह दब चुका है।

भीषण गर्मी की आहट के बीच ग्रामीणों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक को अवगत कराने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। एक ओर पेयजल संकट है, तो दूसरी ओर सड़कों पर जलभराव से संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने तत्काल हैंडपंप चालू कराने और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। चेतावनी दी गई है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे उच्चाधिकारियों से शिकायत करेंगे।

फसल मुआवजे में असमानता से किसानों में रोष

तेंदूखेड़ा इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में चिनकी विराज परियोजना के माध्यम से खेतों में पाइप लाइन डाली जा रही है।जिसे लेकर पाइप लाइन डाले जाने को लेकर किसानों की खड़ी फसलों को अलग किया जा रहा है।जितनी फसलें अलग की जा रही है। उनके अनुपात से फसलों का मुआवजा भी शासन द्वारा निर्धारित किया गया है। लेकिन उस हिसाब से मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। जिसकी लिखित शिकायतें किसानों के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय में की गई है। किसानों ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि किसी किसानों को कम तो किसी को ज्यादा मुआबजा दिया जा रहा है। जिससे किसानों को ज्यादा नुकसान हो रहा है।अनुपातिक दृष्टि से किसानों की फसलों से ज्यादा लाभ हो जाता लेकिन मुआवजे में एक चौथाई से भी कम राशि भी नहीं मिल रही है। किसानों ने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से शीघ्र हस्तक्षेप कर मुआवजा में समानता बरते जाने की मांग की गई है।